



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 57]
No. 57]नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 26, 2003/फाल्गुन 7, 1924
NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 26, 2003/PHALGUNA 7, 1924

वाणिज्य एवं उद्योग भंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 फरवरी, 2003

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : जर्मनी और कोरिया गणराज्य से सोडियम हाइड्रोसल्फेट के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/34/2002-डीजीएडी.—1995 यथासंशोधित सीमा शुल्क अधिनियम 1975

तथा सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए:—

क. प्रक्रिया:

1. जांच के लिए नीचे दी गई प्रक्रिया का पालन किया गया है:

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) को उपरोक्त नियमावली के अधीन मैं टांसवेक सिलोक्स इन्डस्ट्रीज लिंग बदोदरा तथा मैंग दीमोशा केमिकल्स प्रांग लिंग, मुम्बई से घरेलू उद्योग की ओर से लिखित याचिका प्राप्त हुई है जिसमें जर्मनी और कोरिया गणराज्य (जिन्हें इसके बाद सम्बद्ध देश कहा जाएगा) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम हाइड्रोसल्फेट के पाटन का आरोप लगाया गया था।

- (ii) याचिकाकर्ता द्वारा दायर आवेदनपत्र की प्रारंभिक जांच में कतिपय त्रुटियों का पता चला, जिन्हें बाद में याचिकाकर्ता द्वारा दूर कर दिया गया था। इसके बाद याचिका को समुचित ढंग से प्रलेखित माना गया था।
- (iii) याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्यों के आधार पर प्राधिकारी ने जर्मनी और कोरिया गणराज्य से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के विरुद्ध जांच आरंभ करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने उपनियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से पहले पाटन के आरोप प्राप्त होने के बारे में जर्मनी और कोरिया गणराज्य के नई दिल्ली स्थित दूतावासों को सूचित किया।
- (iv) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 के अनुसूची—I के अध्याय 28 और 29 के अंतर्गत वर्गीकृत जर्मनी और कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के सम्बंध में पाटनरोधी जांच आरंभ करते हुए दिनांक 14.11.02 को सार्वजनिक सूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की।
- (v) प्राधिकारी ने भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के सभी ज्ञात आयातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराये गये थे) को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी तथा नियम 6(2) के अनुसार उनसे पत्र जारी होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार लिखित रूप में देने का अनुरोध किया।
- (vi) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) तथा डी जी सी आई एण्ड एस कोलकाता से जांच अधिक सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में किए गए सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे उलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

- (viii) प्राधिकारी ने उक्त यिम 6(3) के अनुसार ज्ञात निर्यातकों और सम्बद्ध देश के दूतावास को याचिका की प्रति उपलब्ध कराई। अनुरोध करने पर अन्य हितबद्ध पार्टीयों को अगोपनीय याचिका की प्रति भी उपलब्ध कराई गई।
- (ix) प्राधिकारी ने सम्बद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए नियम 6 (4) के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली भेजी:—
1. मैं बी ए एस एफ एकटीएन्जिसकेप्ट, जर्मनी
 2. मैं० हंसोल केमिकल, कोरिया
 3. मैं० पू हंग फोटोकेम, कोरिया
- (X) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना हेतु सम्बद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपभोक्ता संघों को प्रश्नावली भेजी :—
4. मै० अरविन्द मिल्स लि०, अहमदाबाद
 5. मै० भिवानी टैक्सटाईल मिल्स, हरियाणा
 6. मै० सिरिस इंडिया लि०, हैदराबाद
 7. मै० इंडियन डाईस्टफ इंडस्ट्रीज लि० मुम्बई
 8. मै० मफतलाल बर्लिनाटन इंड० लि० नवसरी
 9. मै० अयसिंथ डाईकेम लि०, मुम्बई
 10. मै० ब्लू ब्लैन्ड इंडिया लि०, अहमदाबाद
 11. मै० के.जी. डेनिम लि० तमिलनाडू
 12. मै० श्री रेनुगा सॉफ्ट-एक्स टॉवल, मदुरई
 13. मै० सेन्चुरी डेनिम, मुम्बई
 14. मै० ई० मर्क (इंडिया) लि० मुम्बई
 15. मै० जे सी टी लिमिटेड, फगवाड़ा, पंजाब
 16. मै० सम टैक्सटाइल्स एण्ड इन्डस्ट्रीज, अहमदाबाद

17. मै0 मोरारजी ब्रेम्बाना लि0, नागपुरे
18. मै0 मॉडर्न डेनिम लि0, अहमदाबाद
19. मै0 एस कुमार लि0 देवास (म0प्र0)
20. मै0 आर्चिक केमिकल्स एण्ड फार्मासियुटिकल लि0 तमिलनाडू
21. मै0 मदुरा कोट्स लि0 तमिलनाडू
22. मै0 जी एस एल (इंडिया) लि0 गुजरात
23. मै0 ज्ञानचंद रामजी दास, नई दिल्ली
24. मै रेमण्ड कालित्री डेनिम लि0, महाराष्ट्र
25. मै0 रिलायंस टैक्सटाईल इंडस्ट्रीज लि0 अहमदाबाद
26. मै0 बिरला वी एक्स एल लि0, गुजरात
27. मै0 वेलस्पन टेरी टूवल, मेरझ
28. मै0 रेमण्ड लि0 थाणे, महाराष्ट्र

निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने प्रश्नावली/अधिसूचना का प्रत्युत्तर/सूचना दी थी।

- (i) मै0 बी एस एफ एकिटन्जीसशेफ्ट, जर्मनी निम्नलिखित में से किसी भी आयातक/उपयोक्ता संघों द्वारा प्रश्नावल/अधिसूचना का प्रत्युत्तर/सूचना दी गई थी:—
1. मैं रामानंद किदारनाथ इंटरनेशनल
- (xii) क्षति के सम्बंध में याचिकाकर्ता (कर्ताओं) द्वारा मांगी गई सूचना याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत कर दी थी। निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों के क्षति मापदण्ड प्रस्तुत किए गए थे:—
1. मै0 टांस्पीक सिलोक्स इंडस्ट्रीज लि0 वदोदरा
 2. मै0 दीमोशा केमिकल्स प्रा0लि0, मुम्बई

- (xiii) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों को सार्वजनिक फाईल के रूप में, नियम 6(7) अनुसार हितबद्ध पार्टियों द्वारा जांच के लिए खुला रखा।
- (xiv) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) और याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर उत्पादन की ईष्टतम लागत और भारत में सम्बद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए लागत जांच की गई। निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों के लागत आंकड़े प्रस्तुत किए गए तथा उनका विश्लेषण किया गया:—
3. मैं टांस्पीक सिलोक्स इंडस्ट्रीज लिं, वडोदरा
 4. मैं दीमोशा केमिकल्स प्राइलि, मुम्बई
- (xv) यह * * * चिन्ह इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टी द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का घोतक है तथा नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने इसे गोपनीय ही माना है।
- (xvi) यह जांच 1 अप्रैल, 2001 से 30 सितम्बर, 2002 अर्थात जांच की अवधि के लिए की गई थी।
- (ख) निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

याचिकाकर्ता के विचार

(क) जांचाधीन उत्पाद

जांचाधीन उत्पाद सोडियम हाइड्रोसल्फाइट है (जिसे इसके बाद से संबद्ध वस्तुएं कहा जाएगा) यह एक रसायन है तथा इसका रसायनिक फार्मूला $\text{Na}_2\text{S}_2\text{O}_4$ है। यह तीखी सी गंध वाला सफेद या ग्रे रंग का रवेदार पाउडर है तथा किसी भी दृष्टिगोचर बाहरी कणों से मुक्त है। इसका आयात सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 28

तथा 29 के अंतर्गत किया गया है। वर्गीकरण उपशीर्ष 2831.1001 तथा 2832.1002 भले ही इसका वर्णन सोडियम हाइड्रोसल्फाइट के रूप में करें परंतु सही सीमाशुल्क वर्गीकरण 6 अंकों वाले उपशीर्ष 2831.10 का माना जाएगा तथा यह सोडियम सल्फाइट कहा जाएगा। तथापि, यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है तथा वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

(ख) घरेलू उद्योग

याचिका घरेलू उद्योग की ओर से मै0 टास्पीक सिलोक्स इंडस्ट्रीज लि0 और मै0 दीमोशा केमिकल्स प्रा0लि0 द्वारा दायर की गई है। ये याचिकाकर्ता कम्पनियां विचाराधीन सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादन का 54.80 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करती हैं। उपलब्ध साक्ष्यों अनुसार याचिकाकर्ताओं के समक्ष, पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु याचिका दायर करने का आधार है।

(ग) समान वस्तु

भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट तथा जर्मनी एवं कोरिया से निर्यातित सोडियम हाइड्रोल्फाइट में ऐसा कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है जो कि कीमत को प्रभावित कर सके। भारतीय उद्योग द्वारा विनिर्मित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट जर्मनी तथा कोरिया से आयातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी, कार्य तथा प्रयोग, उत्पाद विशिष्टिकरण, कीमत, वितरण तथा विपणन एवं वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। दोनों का तकनकी एवं वाणिज्यिक प्रतिस्थापन किया जा सकता है। उपभोक्ताओं ने दोनों को एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किया है। पाटनरोधी

नियमावली के अनुसार याचिकाकर्ता द्वारा निर्मित उत्पादित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट तथा जर्मनी एवं कोरिया से आयातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट को समान वस्तुएं माना जाना चाहिए।

- (i) भारतीय उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी जर्मनी तथा कोरिया में सोडियम हाइड्रोसल्फाइट के विनिर्माताओं द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी से तुलनीय है।
- (ii) इसलिए प्राधिकारी लंबित अंतिम निर्धारण प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ यह मानते हैं कि नियम 2 (घ) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।

(घ) पाटन

- (i) याचिकाकर्ताओं ने, जर्मनी के घरेलू बाजार में इस उत्पाद की कीमतों के साक्ष्य खोजने के अत्यधिक प्रयास किए। याचिकाकर्ता ई यू में बिक्री के सम्बंध में वास्तविक सौदा कीमतों का पता लगाने में सक्षम रहे। बिक्री बीजकों के इस आधार पर सामान्य मूल्य * * * * अमेरिकी डालर प्रति एम टी बनता है।
- (ii) कोरिया के संबंध में, कोरिया के घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की कीमतों पर सूचना प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे। अन्य देशों को अपने निर्यातों के लिए निर्यातकों की कीमत सूचियां या कीमत साक्ष्य प्राप्त करने के प्रयास किए गए थे। परंतु न तो कोरिया में सम्बद्ध वस्तुओं की कीमतों के सम्बद्ध में या अन्य देशों को निर्यात हेतु या उस देश में बिक्री के कोई साक्ष्य प्राप्त हो सकें और न ही कोरिया गणराज्य घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की कीमतों के सम्बद्ध में कोई सूचना उपलब्ध हो सकी।

- (III) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ताओं ने कोरिया के निर्यात—आयात आंकड़ों से सूचना प्राप्त की है। यह देखा गया है कि इस सूचना से न केवल कोरिया से भारत को निर्यातित माल की मात्रा और मूल्य से संबंधित सूचना का पता चलता है अपितु कोरिया में इस माल के आयातों की मात्रा तथा मूल्य के सम्बंध में भी सूचना मिलती है। यह पाया गया कि कोरिया इस उत्पाद की काफी बड़ी मात्रा चीन से आयात कर रहा है।
- (IV) कोरिया के उपभोक्ता चीन से जिस कीमत पर माल का आयात कर रहे हैं वह कीमत, कोरिया बाजार में, कोरियन उत्पादकों द्वारा अपने उत्पाद को बेचे जाने वाली कीमत से अधिक नहीं होनी चाहिए। वास्तव में, चीन से कोरिया को निर्यात की निर्यात कीमत, कोरियन उत्पादकों द्वारा अपने बाजार में बेचे जा रहे माल की कीमत से कम हो सकती है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए याचिकाकर्ता ने निवेदन किया है कि जिस कीमत पर कोरिया चीन के माल का आयात कर रहा है वह कोरिया में सम्बद्ध वस्तुओं की बिकी कीमत निर्धारित करने के लिए एक अच्छा आधार है।
- (V) यह पाया गया कि कोरिया ने भारत को सम्बद्ध वस्तुओं का निर्यात—अमेरिकी डालर/प्रति एम टी (सी आई एफ) पर किया है जबकि वर्ष 2001 (जनवरी—दिसम्बर) में कोरिया के उपभोक्ताओं ने चीन से सम्बद्ध वस्तुओं का आयात—अमेरिकी डालर/एम टी (सी आई एफ कोरिया) पर किया है। इसके अतिरिक्त अप्रैल—जुलाई, 2002 में चीन से कोरिया को सम्बद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत में—अमेरिकी डालर/ए म टी कमी हुई जबकि भारत की निर्यात कीमत में उस अनुपात से कमी नहीं आई। यह संभवतः चीन से सोडियम हाइड्रोसल्फेट के आयातों पर भारत द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण है। ऐसा लगता है कि सम्बद्ध

वस्तुओं पर भारत द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के पश्चात चीन अन्य बाजार ढूँढ रहा है। अतः बाजार का लाभ उठाने के लिए चीन के निर्यातकों ने कीमतों में कमी कर दी है। या तो कोरिया के निर्यातकों को हानि हो रही है या चीन के निर्यातक, कोरिया में कीमतों में भारी कटौती कर रहे हैं। दूसरे शब्दों में ऐसा प्रतीत होता है कि चीन ने कोरिया में सोडियम हाइड्रोसल्फेट का पाटन आरंभ कर दिया है। अतः अप्रैल-जुलाई, 2002 में चीन द्वारा कोरिया के लिए निर्यात कीमत, कोरियन उत्पादकों द्वारा जिस कीमत पर माल बेचा जाना चाहिए उस कीमत की निरूपक नहीं हो सकती।

- (vi) चीन के विरुद्ध की गई पिछली जांचों से पता चलता है कि बड़ी संख्या में सीमाशुल्क उपशीर्ष के तहत आयात किए गए थे, यह भी निवेदन किया गया था कि डी जी सी आई तथा एस द्वारा उपशीर्ष सं0 2831.1001 तथा 2832.1002 के तहत संकलित मात्रा के संबंध में संपूर्ण एवं सुविस्तृत नहीं माना जा सकता। तथापि, जर्मनी से भारत को संबद्ध वस्तुओं की निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जा सकता है। तदनुसार, उपशीर्ष सं0 2831.1001 तथा 2832.1002 पर विचार करते हुए डी जी सी आई तथा एस द्वारा प्रकाशित आंकड़ों से जमने जर्मनी के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण कर दिया है।
- (vii) याचिकाकर्ता ने कारखानगत निर्यात कीमत निकालने के लिए समुद्री भाड़, जहाजी बीमा कमीशन, अंतर्देशीय परिवहन, पत्तन हैंडलिंग तथा पत्तन प्रभारों में समायोजन का दावा किया है।

(ङ) क्षति

- (i) यह देखा गया है कि प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है। आयातों के प्रभाव का संचयी आंकलन उचित है चूंकि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित समान वस्तुओं की संबद्ध देशों के निर्यातों 5606/03-2

- से सीधी प्रतिस्पद्ध है। इसलिए प्राधिकारी से अनुरोध किया जाता है कि संबद्ध देशों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयीरूप से आंकलन किया जाए।
- (ii) यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2001-02 में संबद्ध देशों के संबद्ध वस्तुओं के आयात हिस्से में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उसी समय में अन्य देशों के हिस्से में अत्यधिक कमी आई।
- (iii) घरेलू उद्योग के उत्पादन एवं क्षमता उपयोग में कमी आई है। मांग बढ़ने के साथ बिकी मात्रा में वृद्धि हुई है। तथापि, चीन से हुए पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से बिकी मात्रा घरेलू उद्योग की आशाओं के अनुरूप नहीं बढ़ सकी।
- (iv) यह देखा गया है कि चीन के विरुद्ध पिछली जांच की शुरूआत के बाद ही उद्योग वर्ष 2000-01 में अपनी बिकी कीमतों में वृद्धि कर सका। घरेलू उद्योग द्वारा भुगते गए नुकसान ने ही इस कीमत वृद्धि को अनिवार्य बनाया था। तथापि, घरेलू उद्योग की बिकी कीमत एक बार फिर दबाव में है तथा जर्मनी और कोरिया गाणराज्य से कम कीमत पर उपलब्ध आयातों के कारण वर्ष 2001-02 में उनमें कमी आई है। इसलिए, इससे पहले कि घरेलू उद्योग अपनी कीमतें क्षति रहित कीमत के स्तर तक बढ़ा सकता, घरेलू उद्योग को फिर से अपनी कीमतें कम करने के लिए बाध्य किया गया।
- (v) आयातों की कीमत इतनी कम है कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिकी कीमत से बहुत कम है। पाटित आयातों के कारण बाजार की कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है।
- (vi) पाटित आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से बहुत कम है जिससे घरेलू उद्योग में अत्यधिक कीमत न्यूनीकरण हो रहा है।
- (vii) चीन से होने वाले पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बावजूद भी उद्योग को नुकसान हो रहा है।
- (viii) चूंकि आयात कम कीमतों पर उपलब्ध है, इसलिए घरेलू उद्योग की बिकी न के बराबर है।

- (ix) देशवार आयात के ब्यौरा से पता चलता है कि अन्य देशों से होने वाले आयात या तो न्यून थे या निर्यात कीमत बहुत अधिक थी या ये आयात हानिकारक थे परंतु अब इनसे पाटनरोधी शुल्क प्राप्त हो रहा है।
- (x) सोडियम हाइड्रोसल्फाइट की मांग में अनवरत वृद्धि हो रही है। इसलिए मांग में संकुचन घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का संभव कारण नहीं है।
- (xi) संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो रही है। याचिकाकर्ता पिछले कई वर्षों से संबद्ध वस्तुओं का उत्पान कर रहा है। घरेलू उद्योग द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी की तुलना दुनिया भर के उत्पादकों द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी से की जा सकती है। विनिर्माण प्रक्रिया में कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है। याचिकाकर्ता ने वास्तव में उत्पादन लागत कम करने का प्रयास किया है। बाजार में पाटित आयातों की उपलब्धता ही घरेलू उद्योग को होने वाली वर्तमान क्षति का एकमात्र कारण है।
- (xii) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, घरेलू उद्योग बिक्री कीमतों कम नहीं कर सका। जबकि उसी समय में बाजार में आयात बहुत ही कम कीमतों पर उपलब्ध थे। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है।
- (xiii) पाटित आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत से बहुत कम है जिसके कारण घरेलू उद्योग में भारी कीमत न्यूनीकरण/ह्रास हो रहा है।

आयातक/उपयोक्ताओं के विचार

मैसर्स रामानंद किदारनाथ इंटरनेशनल ने दिनांक 14 नवम्बर, 2002 की प्रारंभिक अधिसूचना का प्रत्युत्तर दिया है जिसका विवरण आयातक प्रश्नावली में दिया गया है। वर्तमान मामले में पाटन या क्षति मानदंडों पर कोई तर्क या आलेख नहीं दिया गया। पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए प्रश्नावली में दी गई सूचना को भी ध्यान में रखा गया।

1. निर्यातिक के विचार

निर्यातिक प्रश्नावली में 14 नवम्बर, 2002 की प्रारंभिक अधिसूचना के प्रत्युत्तर में मैसर्स बी ए एस एफ जर्मनी ने अपनी याचिका दायर की है। पाटित आयातों के कारण प्रभावित पाटन तथा वास्तविक क्षति के बारे में उन्होंने कोई तर्क नहीं दिया। पाटन के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा निर्यातिक प्रश्नावली की जांच की गई।

(ग) प्राधिकारी द्वारा जांच

उपर्युक्त याचिका निर्यातिक तथा याचिकाकर्ता द्वारा दायर की गई जो कि नियमावली के अनुसार संगत है तथा मामले पर इसका प्रभाव है, इनकी जांच कर ली गई है तथा इन जांचों में उन पर विचार कर उचित रूप से कार्यवाही की गई है।

1. जांचाधीन उत्पाद

जांचाधीन उत्पाद सोडियम हाइड्रोसल्फाइट है (जिसे इसके बाद से संबद्ध वस्तुएं कहा जाएगा)। यह एक रसायन है तथा इसका रसायनिक फार्मला Na_2S2O_4 है। यह तीखी सी गंध वाला सफेद या ग्रे रंग का रवेदार पाउडर है तथा किसी भी दृष्टि गोचार बाहरी कणों से मुक्त है। इसका आयात सीमाशुल्क टैरिक अधिनियम के अध्याय 28 तथा 29 के अंतर्गत किया गया है। वर्गीकरण उपशीर्ष 2831.1001 तथा 2832.1002 भले ही इसका वर्णन सोडियम हाइड्रोसल्फाइट के रूप में करें परंतु सही सीमाशुल्क वर्गीकरण 6 अंकों वाले उपशीर्ष 2831.10 का माना जाएगा तथा यह सोडियम सल्फाइट कहा जाएगा। तथापि, वर्गीकरण केवल सांकेतिक है तथा वर्तमान जांच के क्षेत्र पर किसी भी प्रकार बाध्यकारी नहीं है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस जांच में सभी प्रकार के सोडियम हाइड्रोसल्फाइट जांचाधीन उत्पाद के रूप में शामिल हैं।

2. समान वस्तु

भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट तथा जर्मनी एवं कोरिया से निर्यातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट में ऐसा कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है जोकि कीमत को प्रभावित कर सके। भारतीय उद्योग द्वारा विनिर्मित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट जर्मनी तथा कोरिया से आयातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट से भौतिक तथा रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी, कार्य तथा प्रयोग, उत्पाद विशिष्टिकरण, कीमत, वितरण तथा विपणन एवं वस्तुओं के टैरिक वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। दोनों का तकनीकी एवं वाणिज्यिक प्रतिस्थापन किया जा सकता है। उपभोक्ताओं ने दोनों को एक दूसरे के स्थान पर इस्तेमाल किया है। पाटनरोधी नियमावली के अनुसार याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट तथा जर्मनी एवं कोरिया से आयातित सोडियम हाइड्रोसल्फाइट को समान वस्तुएं माना जाना चाहिए।

2. भारतीय उद्योग द्वारा अनाई गई प्रौद्योगिकी जर्मनी तथा कोरिया में सोडियम हाइड्रोसल्फाइट के विनिर्माताओं द्वारा अपनाई गई प्रौद्योगिकी से तुलनीय है।
3. इसलिए प्राधिकारी लंबित अंतिम निर्धारण प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी यह मानते हैं कि नियम 2 (घ) के अर्थों के भीतर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुएं संबद्ध देशों से निर्यातित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।

4. घरेलू उद्योग

- मैसर्स ट्रांसपीक सिलोक्स इंडस्ट्री लिलो तथा मैसर्स देमोशा कैमिकल्स प्राइलिलो की ओर से याचिका दायर की गई। जांचाधीन संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में याचिकाकर्ता कंपनियों का 54.80 प्रतिशत का हिस्सा है।
- प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता का कुल घरेलू उत्पादन में 50 प्रतिशत से अधिक का हिस्सा है तथा इसलिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) (क) तथा(ख) के अनुसार उनके पास घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने के आधार है और वे नियम 2 (ख) के अर्थों में घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हैं।

5. सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत

धारा 9 क (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

- “(I) समान वस्तु के लिए सामान्य व्यापार के रूप में तुलनीय मूल्य जब तक वह निर्यातक देश या क्षेत्र में उपयोग के निमित्त हो जिसका निर्धारण उप धारा (6)के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया गया हो, या
- (II) जब सामान्य व्यापार के रूप में निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में सामान वस्तु की कोई बिक्री न हो या जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में विशेष बाजार स्थिति या बिक्री की कम मात्रा के कारण ऐसी बिक्री से उचित तुलना नहीं की जा सकती, तब सामान्य मूल्य इनमें से कोई एक होगा,

- (क) समान वस्तु का तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य जब उसका निर्यात निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उपयुक्त अन्य देश से किया जाए जिसका निर्धारण उप धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाए, या
- (ख) उदगम वाले देश में उक्त वस्तु उत्पादन लागत, जिसमें प्रशासनिक, बिकी और सामान्य लागत तथा लाभ के लिए उपयुक्त राशि जोड़ी गई हो जिसका निर्धारण उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएः

बशर्ते कि ऐसे मामले में जहां वस्तु का आयात उदगम वाले देश से इतर किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु को निर्यात वाले देश से होकर केवल वाहनान्तरित किया गया हो या ऐसी वस्तु का निर्यात वाले देश में उत्पादन नहीं किया जाता हो या निर्यात वाले देश में कोई भी तुलनात्मक कीमत नहीं हो तब सामान्य मूल्य का निर्धारण उदगम वाले देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

सामान्य मूल्य तथा कारखाना द्वार स्तर निर्यात कीमत निर्धारण नीचे दिखाया गया हैः

जर्मनी

(क) सामान्य मूल्य

प्राधिकारी ने, धारा 9 के (1) (ग) के अनुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण के उद्देश्य हेतु सभी ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नवलियां भेजीं। मैं ० वी ए एस एफ, एकिटगीजसेलफट, जर्मनी को छोड़कर किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने सहयोग नहीं दिया और न ही जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की निर्यातक प्रश्नावली का प्रत्युत्तर दिया। तथापि प्राधिकारी ने नोट किया कि कमशः परिशिष्ट 8, 9 और 10 में मांगे गए अनुसार निर्यातक ने भारत को कारखाना लागत और लाभ,

घरेलू बिकियों की लागत और लाभ तथा भारत को छोड़कर अन्य देशों को निर्यातों की लागत और लाभ के संबंध में निर्यातिक प्रश्नावली अनुसार और प्रस्तुत नहीं किए हैं। परिशिष्ट 7 में निर्यातिक ने उल्लेख किया है कि अन्य उत्पादों की संख्या 8000 है अतः वह उत्पाद कम्पनी में उनके और नहीं दिए जा सकते। इस प्रावधान के साथ कि उन कमियों में संशोधन किया जा सकता है जिनके बारे में निर्यातिक को जांच के दौरान बताया जाएगा, प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणामों के लिए घरेलू बिकियों और उन पर दावा किए गए समायोजनों के संबंध में निर्यातिक के दावे को अस्थायी रूप से स्वीकार कर लिया है। परिशिष्ट 5 में दावा किए गए समायोजनों पर विचार किया गया है तथा कारखानागत सामान्य मूल्य निकालने की अनुमति दी गई है।

(11) आगे स्पष्टीकरण और सत्यापन के लिए उपर्युक्त विषय के आधार पर प्राधिकारी ने लम्बित अंतिम निर्धारण प्रारंभिक जांच परिणामों के उद्देश्य हेतु मै ० बी ए एस एफ, जर्मनी के लिए सामान्य मूल्य * * * * डालर/एम टी निर्धारित किया है।

(ख) निर्यात कीमत

प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में निर्यातिक ने जांच अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों के और परिशिष्ट-2 में प्रस्तुत किए हैं। निर्यातिक ने इसके समर्थन में बीजक की प्रति भी प्रस्तुत की है। अंतर्रेशीय भाड़े, भंडारण, हैंडलिंग, बीमा, पैकेजिंग, समुद्री भाड़े आदि के संबंध में परिशिष्ट-4 में दावा किए गए समायोजन पर विचार किया है तथा भारत को कारखाना निर्यात कीमत निर्धारित करने की अनुमति दी है इसलिए प्राधिकारी लम्बित अंतिम निर्धारण, प्रारंभिक

निर्धारण हेतु मै० बी ए एस एफ जर्मनी के लिए लिए सोडियम हाइड्रोसल्फाइट की कारखानागत निर्यात कीमत * * * * अ०डा०/मी०टन निर्धारित की है।

जर्मनी के अन्य निर्यातक/उत्पाद

सामान्य मूल्य

- (I) प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै० बास्फ को छोड़कर जर्मनी के किसी भी निर्यातक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रश्नावली का प्रत्युत्तर नहीं दिया है। प्राधिकारी ने असहयोग को ध्यान में रखते हुए सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सवोच्च उपलब्ध सूचना के आधर पर किया है। इस प्रकार जर्मनी ने संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उचित समायोजनों के साथ परिकलित उत्पादन लागत का संदर्भ लिया गया है।
- (II) अतः लंबित अंतिम निर्धारण, प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ जर्मनी के लिए * * * * अ०डा०/मी०टन सामान्य मूल्य का संदर्भ लिया गया है।

निर्यात कीमत

- (I) प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं ने डी जी सी आई एण्ड एस कोलकता द्वारा एकत्रित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत उपलब्ध करवाई है। याचिकाकर्ताओं ने समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा, पत्ताय व्यय पर कमश * * * * डालर/मी०टन, * * * * डालर/मी०टन, * * * * डालर/मी०टन, डालर/मी०टन तक समायोजनों का दावा किया है।

(11) लंबित अंतिम निर्धारण, प्रारंभिक निर्धारण के उद्देश्य हेतु * * * * डालर/मी0टन कारखानागत निर्यात कीमत का संदर्भ लिया है।

कोरिया

सामान्य मूल्य

(1) प्राधिकारी नोट करते हैं कि कोरिया के किसी भी निर्यातिक ने जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना की प्रश्नावली का प्रत्युत्त नहीं दिया है। प्राधिकारी ने असहयोग को ध्यान में रखते हुए सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का परिकलन पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोच्च उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है। इस प्रकार कोरिया में संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उचित समायोजनों के साथ परिकलित उत्पादन लागत का संदर्भ लिया गया है।

(11) अतः लंबित अंतिम निर्धारण, प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ कोरिया के लिए * * * * 0डा0/मी0टन सामान्य मूल्य का संदर्भ लिया गया है।

निर्यात कीमत

प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं ने डीजीसीआई एण्ड एस, कोलकाता द्वारा एकत्रित आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत उपलब्ध करवाई है। याचिकाकर्ताओं ने समुद्री भाड़ा, समुद्रीय बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय भाड़ा, पत्तन व्यय पर कमशः * * * * 0डा0/मी0टन, * * * * 0डा0/मी0टन,

*** * 30डा०/मी०टन , * * * * 30डा०/मी०टन , * * * * 30डा०/मी०टन
तक समायोजनों का दावा किया है।

(11) अतः लंबित अंतिम निर्धारण, प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ * * * *
30डा०/मी०टन कारखानागत निर्यात कीमत का संदर्भ लिया गया है।

5. पाटन—सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत की तुलना

तुलना से संबंधित नियमों में निम्नानुसार व्यवस्था हैः—

“डॉपिंग का मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के इसी स्तर पर सामान्यतः कारखाना द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथासम्भव उसी समयावधि के दौरान की गई बिकियों के संबंध में की जाएगी। जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी, अंतर में शामिल है बिकी की शर्तें, कराधान व्यापार के स्तर मात्राएं विशेषताएं तथा अन्य अंतर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।”

प्राधिकारी ने संबद्ध देश के सभी निर्यातक/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन के मूल्यांकन हेतु जांच अवधि में भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना भारित औसत कारखानागत निर्यात कीमत से की है। निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार है।

| निर्यातक/उत्पादक | सामान्य मूल्य डालर/एमटी | निर्यात कीमत डालर/एमटी | निर्यात कीमत की प्रशितता के रूप में पाटन मार्जिन |
|--|-------------------------|------------------------|--|
| (1) जर्मनी (क) मै ० बीएसएफ (ख) अन्यसभी निर्यातक/उत्पादक | **** **** | **** **** | 28.95% 69.01% |
| 2. कोरिया गणराज्य सभी निर्यातक/उत्पादक | **** | **** | 102.86% |

क्षति का संचयी मूल्यांकन

(I) रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों से पता चलता है कि प्रत्येक संबद्ध देश के पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के % के रूप में बताई गई 2 प्रतिशत सीमा से अधिक है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक देश से आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है। आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित होगा चूंकि संबद्ध देशों से निर्यातों की एक दूसरे से तथा भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा लाई गई वस्तुओं की सीधी प्रतिस्पर्द्धा है अतः प्राधिकारी संबद्ध देशों से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का संचयी रूप से मूल्यांकन करने का प्रस्ताव करते हैं।

(II) प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा तथा पाटन मार्जिन उपर प्रस्तावित सीमा से अधिक है। जर्मनी और कोरिया गणराज्य से आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंकि इन देशों से निर्यात कीमतें भारतीय बाजार में

घरेलू उद्योग की कीमतों से सीधे प्रतिस्पर्द्धा करती थी तथा भारतीय उत्पादकों को विस्थापित करती थी।

(111) जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध—।। के सिद्धांत (iv) में उल्लेख हैः—

(क) “ घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री में प्राकृतिक तथा संभाव्य गिरावट, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर वसूली या क्षमता उपयोग, घरेलू कीमतों को प्रभावित करते वाले तथ्य, पाटन मार्जिन की मात्रा, रोकड़ पर वास्तविक एवं संभाव्य नकारात्मक प्रभाव, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पंजी निवेश बढ़ाने की क्षमता सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक तथ्य तथा सूचकों का मूल्यांकन शामिल होगा

(ख) प्राधिकारी नोट करते हैं कि डिभिन्न घरेलू उत्पादकों के लिए क्षति रहित का मूल्यांकन संबंधित उत्पाद से होने वाली बिक्री वसूली पर उपयुक्त रूप से विचार करके किया गया है। अक्षमताओं को दूर करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने कच्चे माल के प्रयोग, उपयोगिता आदि पर उचित प्रक्रियाओं का मानकीकरण और निर्धारण किया है।

(ग) जहां तक भारत में उच्च उत्पादन लागत के कारण हुई क्षति का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय पाटनरोधी, नियमावली के अंतर्गत कम शुल्क का नियम है जिसे यहां लागू किया गया है।

(घ) क्षति तथा कारणात्मक संबंध

उपरोक्त नियम 11 अनुबंध—।। के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में..... पाटित आयातों की मात्रा घरेलू बाजार में

समान वस्तुओं की कीमतों पर उने प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा। कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभावों पर विचार करते हुए समय यह जांच करना आवश्यक समझा जाता है कि पाठित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमत में कोई अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आयी है अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रुकावट आयी है तो उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

(1) भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के अनुबंध—।। (4) के अनुसार ऐसे अन्य संकेतकों पर विचार किया है जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसे कि उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्रीमात्रा, स्टाफ, लाभप्रदत्ता, निवल बिक्री प्राप्त पाठन की मात्रा एवं मार्जिन इत्यादि

(11) घरेलू उत्पादकों के मामले में प्राधिकारी ने निम्नलिखित आर्थिक मानदण्डों की जांच की:—

पाटित आयातों की मात्रा एवं बाजार हिस्सा

| विवरण | यूनिट | 1990-00 | | 2000-2001 | | अप्रैल 01 से सितम्बर 02 | जांच अवधि वार्षिक | | |
|------------------------|-------|---------|-------|-----------|--------|-------------------------|-------------------|--------|-----|
| | | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य | | मात्रा | मूल्य | |
| | | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी | लाख |
| आयात | | | | | | | | | |
| जर्मनी | एमटी | 449 | 178 | 30 | 7.2 | 714 | 251.86 | 476 | 168 |
| कोरिया | एमटी | 0 | 0 | 144 | 35.17 | 338 | 100.19 | 225 | 67 |
| संबद्ध देश | एमटी | 449 | 178 | 174 | 42.37 | 1052 | 352.05 | 701 | 235 |
| संबद्ध देशों का हिस्सा | % | 17.51% | | 10.96% | | 36.26% | | 36.26% | |
| अन्य देश | एमटी | 2115 | 627 | 1413 | 431.63 | 1886 | 536.65 | 1257 | 358 |
| अन्य देशों का हिस्सा | % | 82.49% | | 89.04% | | 63.80 | | 63.80% | |
| कुल आयात | एमटी | 2564 | 805 | 1587 | 474 | 2938 | 888.70 | 1959 | 592 |

(I) डी जी सी आई तथा एस कोलकाता तथा गौण स्त्रोतों द्वारा उपलब्ध करवाई गई सूचना से पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयातों में सापेक्ष एवं संपूर्ण रूप से वृद्धि हुई है। यह भी स्पष्ट होता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में आयातों तथा देश में उत्पादन की मांग के आयात हिस्से में वृद्धि हुई है।

(II) अपेक्षाकृत थोड़े ही समय में आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा संबद्ध देशों से पाटित आयातों की वृद्धि दर महत्वपूर्ण है। सोडियम हाइड्रोसल्फाइट के आयात की

प्रतिशतता तथा संपूर्णता दोनों में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री संविदाओं में नुकसान हुआ है।

उत्पादन तथा क्षमता उपयोग

| विवरण | यूनिट | 1990-00 | | 2000-2001 | | अप्रैल 01 से सितम्बर 02 | | जांच अवधि वार्षिक | |
|-----------------|-------|---------|-------|-----------|-------|-------------------------|-------|-------------------|-------|
| | | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य |
| | | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी | लाख |
| क्षमता | एमटी | 17100 | | 17100 | | 27135 | | 18090 | |
| उत्पादन | एमटी | 15123 | | 14540 | | 21635 | | 14423 | |
| क्षमता उपयोग | % | 88.44 | | 85.03 | | 79.73 | | 79.73 | |
| घरेलू बिक्रियां | एमटी | 14468 | | 13939 | | 20650 | | 13767 | |

घरेलू उद्योग द्वारा सोडियम हाईड्रोल्फाइट का उत्पादन वर्ष 1999-2002 में 15123 मी० टन से घटकर वर्ष 2000-01 में घटकर 14540 हो गया है जो कि जांच अवधि (वार्षिक) के दौरान और भी घटकर 14423 मी०टन हो गया है। सामान्य रूप से उत्पादन में कमी आई है। क्षमता उपयोग में लगतार गिरावट आ रही है 1999-2000 में जो 88.74 प्रतिशत था वर्ष 2000-01 में घटकर 85.35 प्रतिशत तथा जांच अवधि के दौरान 79.73% (वार्षिक) हो गया।

घरेलू उद्योग की बिक्री में लगतार गिरावट हुई है वर्ष 1999-2000 में जो 14468 मी०टन थी वर्ष 2000-01 में घटकर 13939 मी०टन तथा जांच अवधि के दौरान 13767 मी० टन वार्षिक हो गई। संबद्ध वस्तुओं की क्षमता उपयोग तथा बिक्री मात्रा में कमी का कारण कमशः पाटित आयात है।

| विवरण | यूनिट | 1990-00 | | 2000-2001 | | अप्रैल 01 से सितम्बर 02 | | जांच अवधि वार्षिक | |
|-----------------------|-------|---------|-------|-----------|--------|-------------------------|--------|-------------------|--------|
| | | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य |
| | | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी | लाख |
| उत्पादन की यूनिट लागत | एमटी | **** | | **** | | **** | | **** | |
| प्रवृत्ति | % | | 100 | | 98.43 | | 93.91 | | 93.91 |
| यूनिट बिकी कीमत | एमटी | **** | | **** | | **** | | **** | |
| प्रवृत्ति | % | | 100 | | 100.14 | | 100.16 | | 100.16 |
| यूनिट लाभ/हानि | | **** | | **** | | **** | | **** | |

घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में कमी आई है जबकि बिकी कीमतों में कम होने की प्रवृत्ति नहीं दिखाई दे रही । घरेलू उद्योग को वित्तीय हानि हो रही है परंतु वित्तीय पुर्नगठन तथा एक याचिकाकर्ता के लाभ के कारण कम लागत की वजह से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में सुधार हुआ है। यह भी पाया गया है कि चीनी आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने पर भी घरेलू उद्योग संबद्ध वस्तुओं की हानि को पूरा नहीं कर सका जो इस बात का संकेत हैं कि कथित पाटन के नए स्त्रोत ही घरेलू उद्योग के हालात सुधरने में बाधक हैं।

कीमत कटौती

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों द्वारा पाटन से सम्बद्ध वस्तुओं के लिए घरेलू

उद्योग द्वारा निवल बिकी वसूली पर उल्लेखनीय प्रभाव पड़ा है। बाजार में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए याचिकाकर्ता को संबद्ध देशों से पाटित आयात और कम कीमत से

प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी। इस प्रकार पाटित आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही थी क्योंकि संबद्ध देशों से आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम था।

कम कीमत पर बिक्री

प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के इस दावे की भी जांच की है कि उद्योग को प्रत्यक्षहानि के कारण नुकसान हो रहा है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कम कीमत पर बिक्री क्षति निर्धारण का महत्वपूर्ण सूचक है अतः प्राधिकारी ने उचित बिक्री कीमत निर्धारित की तथा कम कीमत पर बिक्री की स्थिति देखने के लिए उसकी तुलना पहुंच मूल्य से की है।

कीमत न्यूनीकरण / दास

घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत सम्बद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत से कम है इसके अतिरिक्त आयात घरेलू उद्योग को उचित कीमत वृद्धि करने में बाधक है।

गंवाई गई संविदाएं

सम्बद्ध देशों से पाटित आयोतों के कारण घरेलू उद्योग के उपभोक्ताओं की संख्या में कमी आ रही है। इस संबंध में घरेलू उद्योग ने पाटित आयातों के कारण कम बिक्रियों के बारे में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं। मैं दीमोशा केमिकल्स प्रा० लि० की बिक्री जो वर्ष 1999–2000 में 1193 मी०टन थी वह वर्ष 2001–2002 में घटकर 754 मी०टन हो गई है जबकि मैं टांसपेक सिलाक इन्ड्रीज लि० वडौदा की बिक्री 2000–2001 में 695 मी०टन थी जो वर्ष 2002–03 में घटकर 212 मी०टन हो गई।

भण्डार सूची / स्टॉक

| विवरण | यूनिट | 1990-00 | | 2000-2001 | | अप्रैल 01 से सितम्बर 02 | जांच अवधि वार्षिक | |
|-----------|-------|---------|-------|-----------|-------|-------------------------|-------------------|----------|
| | | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य | | मात्रा | मूल्य |
| | | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी लाख |
| अथ स्टॉक | एमटी | 1093 | | 849 | | 936 | | 936 |
| प्रवृत्ति | % | 100 | | 77.68 | | 85.64 | | 85.64 |
| अंत स्टॉक | एमटी | 849 | | 936 | | 1328 | | 1328 |
| प्रवृत्ति | % | 100 | | 110.25 | | 156.42 | | 156.42 |
| औसत स्टॉक | एमटी | 971 | | 893 | | 1132 | | 1132 |
| प्रवृत्ति | % | 100 | | 91.92 | | 116.58 | | 116.58 |

प्राधिकारी नोट करते हैं कि बिकी की कम मात्रा के परिणाम स्वरूप उत्पादन में कमी के बावजूद स्टॉक में वृद्धि हुई है। अंत स्टॉक जो वर्ष 2000-2001 में 893 मीटन था जांच अवधि के दौरान बढ़कर 1132 मीटन हो गया जबकि औसत भण्डार सूची जो वर्ष 2000-01 में 91.92 प्रतिशत थी जांच अवधि के दौरान बढ़कर 116.80 प्रतिशत हो गई।

निवेश पर आय तथा पूंजी में वृद्धि की क्षमता—

जॉच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए निवेश पर घरेलू उद्योग की आय की दर शून्य है जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग अपनी पूंजी वृद्धि नहीं कर सका। और न ही इस उत्पाद के लिए नए निवेश कर सका।

कारणात्मक संबंध—

क्या यह पता लगाने के लिए क्या घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों पर विचार किया हैः—

- (i) जर्मनी तथा कोरिया गणराज्य से पाटित मूल्यों पर संबद्ध वस्तुओं के प्रचुर आयातों ने घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमतें अलाभकर स्तर तक कम करने के लिए बाध्य किया जिससे भारतीय बाजार में कीमत कटौती की स्थिति पैदा हो गई।
- (ii) जर्मनी तथा कोरिया गणराज्य से आयातों ने भारतीय बाजार में इस उत्पाद की कीमतों को इतना दबा दिया कि घरेलू उद्योग भारत में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री से अपनी पूरी उत्पादन लागत वसूल करने तथा उचित लाभ अर्जित करने से वंचित हो गया।

| विवरण | यूनिट | 1990-00 | | 2000-2001 | | अप्रैल 01 से सितम्बर 02 | | जांच अवधि वार्षिक | |
|------------------------|-------|---------|-------|-----------|-------|-------------------------|-------|-------------------|-------|
| | | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य | मात्रा | मूल्य |
| | | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी | लाख | एमटी | लाख |
| मांग | | | | | | | | | |
| आयत | एमटी | 2564 | | 1587 | | 2938 | | 1959 | |
| घरेलू उद्योग की बिक्री | एमटी | 14468 | | 13939 | | 20650 | | 13767 | |
| कुल मांग | एमटी | 27017 | | 28286 | | 42748 | | 28497 | |
| मांग में हिस्सा | | | | | | | | | |
| संबद्ध देश से आयात | % | 1.66 | | 0.62 | | 2.50 | | 2.50 | |
| अन्य देश | % | 7.83 | | 5.00 | | 4.41 | | 4.41 | |
| याचिकाकर्ता | % | 53.55 | | 49.28 | | 48.31 | | 48.31 | |
| आयात का हिस्सा | | | | | | | | | |
| संबद्ध देशों का हिस्सा | | 17.51 | | 10.96 | | 36.20 | | 36.20 | |
| अन्य देश | | 82.49 | | 89.04 | | 63.80 | | 63.80 | |

(111) कुल खपत में पाटित आयातों की मात्रा जो 2000-01 में 0.62 प्रति थी। जांच अवधि के दौरान बढ़कर 2.5 प्रतिशत हो गई जबकि घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा जो 1999-2000 में 53.55 प्रतिशत था, जांच अवधि के दौरान घटकर 48.31 प्रतिशत हो गया। भारत में पाटित आयात ऐसी कीमत पर आ रहे थे जिसके कारण समान घरेलू उत्पाद कीमतों में अत्यधिक कमी आई। इस प्रकार पाटित अयातों की कीमतों के कारण समान घरेलू उत्पाद की कीमतों में कीमत हास तथा कीमत न्यूनीकरण दोनों ही हुए।

(iv) मांग संकुचन नहीं हुआ(बल्कि मांग में वृद्धि हुई है) इसके अतिरिक्त जैसे व्यापार प्रतिबंधित प्रणाली या प्रौद्योगिकी विकास जैसे अन्य कोई कारण नहीं हैं जिसकी वजह से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हो सकती है। भारत में उत्पादन तथा खपा के संबंध में आयातों में सम्पूर्ण वृद्धि के परिणामस्वरूप बिकी में प्रत्यक्ष वृद्धि हुई जिसकी वजह से आगे देश में उत्पाद की मांग के घरेलू उद्योग के हिस्से में कमी आई है। इसके अतिरिक्त आयातों की कम कीमतें घरेलू उद्योग को उसके लाभप्रदता के प्रति आशावादी होने में बाधक हैं।

अतः प्राधिकारी उपर्युक्त से नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिकी कीमतों से कम है। भारत में हुए आयातों की कीमतें घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमतों से भी कम हैं। जिसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को उचित लाभ नहीं मिल सका। ये मानदण्ड समग्र एवं संचयी रूप से यह सूचित करते हैं कि पाटित आयातों के कारण याचिकाकर्ता को वास्तविक क्षति हुई है।

8 भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे :-

सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को पुनः बहाल करना है जो कि देश के सामान्य हित में है।

यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, विशेषकर तब जब पाटनरोधी शुल्क

की लेवी उस राशि तक ही प्रतिबंधित कर दी जाए जो कि याचिकाकर्ता के नुकसान को समाप्त करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपायों से पाटन प्रक्रिया द्वारा प्राप्त होने वाले अनुचित लाभों को समाप्त किया जा सकेगा। घरेलू उद्योग के हास को रोका जा सकेगा और सोडियम हाइड्रोसल्फाइट के उपभोक्ताओं के लिए इसकी उपलब्धता को कायम रखा जा सकेगा। पाटनरोधी उपायों से सम्बद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार प्रतिबंधित नहीं होंगे। इसलिए उपभोक्ताओं के लिए इस उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

घरेलू उद्योग की क्षति को खत्म करने हेतु आवश्यक पाटनरोधी शुल्क की सीमा निश्चित करने के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर इष्टतम उत्पादन लागत पर विचार करते हुए भारत में सोडियम हाइड्रोसल्फाइट के उचित बिक्री-मूल्य पर भरोसा किया है। उपभोक्ताओं के पास पूर्ति के दो या उससे अधिक स्रोत उपलब्ध रहेंगे।

9. पहुँच मूल्य

इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क विभाग द्वारा सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा-3, 3क, 8ख, 9 तथा 9क के तहत लगाए जाने वाले शुल्क को छोड़कर सभी सीमाशुल्कों सहित सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत यथानिर्धारित निर्धारण योग्य मूल्य होगा।

(च) निष्कर्ष

उपर्युक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी निम्नलिखित निष्कर्ष पर पहुँचे:

- (क) जर्मनी और कोरिया गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी रूप में सोडियम हाइड्रोसल्फेट का भारत में आयात सामान्य मूल्य से कम पर किया गया।

- (ख) पाटित सम्बद्ध वस्तुओं की कम पहुंच कीमत के कारण हुए कीमत हास से कम निवल बिक्री वसूली होने से वित्तीय हानि के रूप में वास्तविक क्षति हुई है।
- (ग) सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के पाटन द्वारा घरेलू उद्योग को संचयी रूप से क्षति हुई है।
- (घ) अतः प्राधिकारी अध्याय 28 के अंतर्गत सम्बद्ध देश के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयात पर पाटन रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।
- (ङ) पाटनमार्जिन के समकक्ष पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई ताकि पाटन के कारण होने वाली घरेलू क्षति से बजा जा सके। तदनुसार प्राधिकारी जर्मनी और कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम हाईड्रोसल्फाइट के सभी आयातों पर अस्थायी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित सारणी के कॉलम 3 में उल्लिखित राशि तथा आयात/मी०टन के पहुंच मूल्य का अंतर होगा जो कि नीचे दिए गए देशों के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित सीमाशुल्क, अध्याय 28, कस्टम उपशीर्ष 2831.10 के अंतर्गत सोडियम हाईड्रोसल्फाइट के सभी आयातों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस सम्बंध में जारी अधिसूचना की तारीख से लगाया जाएगा।

| 1 | 2 | 3 |
|------|---|--|
| क०स० | निर्यातक/उत्पादक का नाम | शुल्क की राशि(अमेरिकी डालर/मी०टन |
| 1. | जर्मनी क. मै. बी ए एस एफ ख. अन्य सभी निर्यातक/उत्पादक | ८२ \$ १०५४.४६६/MT ८२ \$ १०५४.४६६/MT |
| 2. | कोरिया गणराज्य | ८२ \$ १०५४.४६६/MT |

आगे की प्रक्रिया

20. प्रांतिक निष्कर्षों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा:—

- (क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन निष्कर्षों के बारे में टिप्पणियों आमंत्रित करते हैं और उन पर अंतिम निष्कर्ष निकलते समय विचार किया जाएगा।
- (ख) प्राधिकारी द्वारा ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ताओं तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से पत्र लिखा जा रहा है, जो पत्र के प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के अन्दर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टियाँ भी इन निष्कर्षों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती हैं।
- (ग) प्राधिकारी उचित सीमा तक सत्यापन करेंगे।
- (घ) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों को मौखिक उत्तर के लिए अवसर प्रदान करेंगे।
- (ङ) अंतिम निष्कर्षों की घोषणा करने से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों को प्रकट करेंगे।

ए.ल. चौ. सप्तऋषि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th February, 2003

PRELIMINARY FINDINGS

Subject : Anti-Dumping Investigation concerning imports of Sodium Hydrosulphite originating in or exported from Germany and Korea RP.

No.14/34/2002-DGAD - Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:

- i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a petition filed by M/s Transpek Silox Industry Ltd., Vadodara and M/s. Demosha Chemicals Pvt. Ltd., Mumbai, on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Sodium Hydrosulphite originating in or exported from Germany and Korea RP (hereinafter referred to as subject countries).
- ii) Preliminary scrutiny of the application filed by the petitioner revealed certain deficiencies, which were subsequently rectified by the petitioner. The petition was, therefore, considered as properly documented.
- iii) The Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner decided to initiate the investigation against imports of subject goods from Germany and Korea RP. The authority notified the Embassies/High Commissions of Germany and Korea RP in New Delhi about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule 5(5) of the Rules.
- iv) The Authority issued a public notice dated 14.11.2002 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of the subject goods classified under chapter 28 and 29 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 originating in or exported from Germany and Korea RP.
- v) The Authority forwarded a copy of the public notice to the known exporter (whose details were made available by petitioner) and gave them an opportunity to make their views known in writing within forty days from the date of the letter in accordance with the Rule 6(2):
- vi) The Authority forwarded a copy of the public notice to all the known importers (whose details were made available by petitioner) of subject goods in India and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of issue of the letter in accordance with the Rule 6(2).
- vii) Request were made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods made in India during the past three years, including the period of investigation.
- viii) The Authority provided a copy of the petition to the known exporter and the Embassies/High Commissions of the subject countries in

accordance with Rules 6(3) *supra*. A copy of the non-confidential petition was also provided to other interested parties, wherever requested.

- ix) The Embassies/High Commissions of Germany and Korea were informed about the initiation of investigation in accordance with Rules 6 (2) with a request to advise the exporters/producers from their country/territory to respond to the questionnaire within the prescribed time along with the copy of non confidential version of the petition, copy of the initiation notification and the exporters questionnaire.
- x) The Authority sent a questionnaire to elicit relevant information to the following known exporters/producers, in accordance with the Rule 6(4):
 - 1. M/s. BASF Aktiengesellschaft, Germany
 - 2. M/s. Hansol Chemical, Korea
 - 3. M/s. Poo Hung Photochem, Korea
- xi) A questionnaire was sent to the following known importers/user associations of the subject goods for necessary information in accordance with Rule 6(4):
 - 1. M/s. Arvind Mills Ltd., Ahmedabad
 - 2. M/s. Bhiwani Textile Mills, Haryana
 - 3. M/s. Siris India Ltd., Hyderabad
 - 4. M/s. Indian Dyestuff Industries Ltd., Bombay
 - 5. M/s. Mafatlal Burlington Ind. Ltd., Navsari
 - 6. M/s. Jaysynth Dyechem Ltd., Mumbai
 - 7. M/s. Blue Blends India Ltd., Ahmedabad
 - 8. M/s. K.G. Denim Ltd., Tamil Nadu
 - 9. M/s. Shri Renuga Soft-X Towels, Madurai
 - 10. M/s. Century Denim, Bombay
 - 11. M/s. E. Merck (India) Ltd., Mumbai
 - 12. M/s. JCT Limited, Phagware, Punjab
 - 13. M/s. Some Textiles & Industries, Ahmedabad
 - 14. M/s. Morarjee Brembana Ltd., Nagpur
 - 15. M/s. Modern Denim Ltd., Ahmedabad
 - 16. M/s. S. Kumars Ltd., Dewas (MP)
 - 17. M/s. Orchid Chemicals & Pharmaceuticals Ltd., Tamilnadu
 - 18. M/s. Madura Coats Limited, Tamilnadu
 - 19. M/s. GSL (India) Limited, Gujarat
 - 20. M/s. Gianchand Ramji Dass, New Delhi
 - 21. M/s. Raymond Callitri Denim Ltd., Maharashtra

- 22. M/s. Reliance Textile Ind. Ltd., Ahmedabad
 - 23. M/s. Birla VXL Limited, Gujarat
 - 24. M/s. Welspun Terry Towels, Morai
 - 25. M/s. Raymonds Limited, Thana, Maharashtra
- xii) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following exporters/producers
- 1. M/s. BASF Aktiengesellschaft, Germany
- xiii) Response/information to the questionnaire/notification was filed by the following Importers/user/Associations:-
- 1. M/s. Ramanand Kidarnath International
- xiv) Information regarding injury was sought from the petitioner(s), which was also furnished by the petitioner. The injury parameters of the following domestic producers were furnished:-
- 1. M/s Transpeak Silox Industry Ltd., Vadodara
 - 2. M/s. Demosha Chemicals Pvt. Ltd., Mumbai
- xv) The Authority kept available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
- xvi) Cost investigation was also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the petitioner. The cost data of the following domestic producers was provided and analysed:--
- 1. M/s Transpeak Silox Industry Ltd., Vadodara
 - 2. M/s. Demosha Chemicals Pvt. Ltd., Mumbai
- xvii) ****In this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- xviii) Investigation was carried out for the period starting from 1st April 2001 to 30th September 2002 i.e. the period of investigation (POI).

B. VIEW OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES

1. PETITIONER'S VIEWS

a) PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration is known as Sodium Hydrosulphite. It is a white or grayish crystalline powder, free from visible foreign particles with pungent odour. It has been imported under Chapter 28 and 29 of Customs Tariff Act.

b) DOMESTIC INDUSTRY

The petition has been filed by M/s. Transpeak Silox Industry Ltd., and M/s. Demosha Chemicals Pvt. Ltd., on behalf of the domestic industry. These petitioner companies represent 54.80% of the production of the subject goods under consideration.

c) LIKE ARTICLE

i) Sodium Hydrosulphite produced by the Indian industry and imported from Germany and Korea are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Sodium Hydrosulphite produced by the petitioners and imported from Germany and Korea should be treated as like articles in accordance with the anti dumping Rules.

ii) The technology adopted by the Indian industry is comparable with the technology adopted by the manufacturers of Sodium Hydrosulphite in Germany and Korea.

d) DUMPING

i) Petitioners have made their best efforts to trace evidence of the prices of this product in the domestic market in Germany. Petitioners have been

able to trace actual transaction prices in respect of sale in EU. The normal value on this basis of sales invoices comes as US\$ **** per MT.

ii) With regard to Korea, efforts were made to get information on prices of the subject goods in the domestic market of Korea. Efforts were made to get the price lists of the exporters or price evidence for their exports to other countries. However, any evidence either with regard to the prices of subject goods in Korea or price list of the exporters either for sale in that country or for exports to other countries could not be traced. No information, however could be traced about the prices of subject goods in the domestic market of Korea RP.

iii) In view of the above, petitioners have procured information from Export - Import Statistics of Korea. It is found that these information reveals not only the volume and value of material exported from Korea to India, but also reveals the information with regard to volume and value of imports of this material into Korea. It is found that Korea has been importing substantial volumes of this product from China.

iv) The price at which the consumers in Korea are importing the material from China should not be substantially higher than the price at which the Korean producers are selling their product in the Korean market. In fact, the export price from China to Korea at best can be lower than the price at which the Korean producers are selling in their own market. In view of the same, petitioners submit that the price at which the Chinese material has been imported from China to Korea RP is a good basis to determine selling price of the subject goods in Korea.

v) It may be observed that Korea has exported the subject goods to India at US\$ /MT (CIF), whereas the consumers in Korea imported the subject goods from China at US\$ /MT (CIF Korea) in 2001 (Jan-Dec). Further in April-July 2002 the export price of subject goods from China to Korea declined to US\$ /MT, while export price to India has not proportionately declined. This is apparently due to imposition of the anti dumping duty by India on imports of Sodium Hydrosulphite from China. It appears that China is looking for other markets after imposition of anti dumping duty by India on subject goods. Hence to gain market, exporters from China seems to have reduced the prices. Either exporters in Korea are facing loss or exporters in China are significantly undercutting the prices in Korea. In other words China seems to have started dumping of Sodium Hydrosulphite

in Korea. Hence the export price to Korea by China in April-July 2002 does not appear representative of the price at which the Korean producers should be selling the material. Further, port expenses and Inland transportation have been added to this price to determine normal value. Thus normal value on this basis comes to US\$****/MT.

- vi) It was found in the previous investigation against China that imports have been cleared under a large number of customs subheadings, it is submitted that the information compiled by the DGCI&S under the sub-heading no. 2831.1001 and 2832.1002 can not be considered as complete and exhaustive information with regard to volume of imports of Sodium Hydrosulphite in India. However, the information can be reasonably considered for determination of export price of the subject goods from Germany to India. We have accordingly assessed export price for Germany from the data published by DGCI&S considering sub-heading no. 28311001 and 28321002.
- vii) The petitioner has claimed the adjustment on ocean freight, marine insurance, commission, inland transportation, port handling and port charges for arriving at ex-factory export price.

e) **INJURY**

- i) It may be seen that the quantum of imports from each of the subject country is more than the de-minimus limits. Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate since the exports from the subject countries directly compete with the like goods offered by the domestic industry in the Indian market. The Authority is, therefore, requested to assess injury to the domestic industry cumulatively from the subject countries.
- ii) It would be seen that the share of subject countries in imports of subject goods has increased significantly in 2001-2002. Share of other countries, at the same time, declined significantly.
- iii) Production and capacity utilisation of the domestic industry has declined. Sales volumes have increased with the increase in the demand. However, the sales volumes could not increase upto the expectations of the domestic industry with the imposition of anti dumping duty on dumped imports from China.

iv) It is evident that industry has been able to increase its selling price in 2000-2001 after initiation of previous investigation against China. This price increases were necessitated by the loss being suffered by the domestic industry. However, the selling price of the domestic industry have once again come under pressure and have declined in 2001-2002 due to imports are being available at much lower prices from Germany and Korea RP. Thus, even before the domestic industry could raise the prices to the level of non-injurious price, the domestic industry has been forced to reduce the prices again.

v) The imports are so low priced that the landed price of imports is significantly below the selling price of the domestic industry. Dumped imports are causing severe price undercutting in the market.

vi) Landed value of the dumped imports are significantly below the cost of production of the domestic industry resulting in severe price suppression to domestic industry.

vii) Inspite of imposition of anti dumping duty on dumped imports from China, the industry is making losses.

viii) The domestic industry has lost sales, as imports are available at much lower prices.

ix) Imports from other countries are either de-minimus or the export prices are significantly higher or these imports are injurious but now attracting anti-dumping duties, as may be seen from the statement of Country-wise imports.

x) There is continuous increase in demand of Sodium Hydrosulphite. Contraction in demand is not, therefore, a possible reason for injury to the domestic industry.

xi) Material injury is being caused to domestic industry from dumped imports from subject countries. The petitioner is producing the subject goods for the past several years. The technology adopted by domestic industry is comparable to the technology being adopted by other players world-over. There is no significant difference in the manufacturing process. The petitioner has in fact made an efforts in reducing its cost of production.

Availability of dumped imports in the market is the sole reason for the present injury being suffered by the domestic industry.

xii) In view of the above, the domestic industry could not reduce the selling prices. At the same time, the imports are available in the market at very low prices. As a consequence, inspite of increase in demand the domestic industry has lost significant sales volume.

xiii) The imports are so low priced that the landed price of imports is significantly below the selling price of the domestic industry. Dumped imports are causing severe price undercutting to the domestic industry.

xiv) Landed value of the dumped imports are significantly below the cost of production of the domestic industry resulting in severe price suppression/depression to the domestic industry.

2. IMPORTER/USER'S VIEW

M/s. Ramanand Kidarnath International has responded to the initiation notification dated 14th November 2002 and details have been furnished in the importers questionnaire. There has been no arguments or wirteups on the dumping or injury parameters in this instant case.

3. EXPORTER'S VIEWS

M/s. BASF, Germany have filed their submission to the initiation notification dated 14th November 2002 in the exporters questionnaire. There has been no arguments regarding the dumping and material injury to the domestic industry. The exporters questionnaires have been examined by the Authority for the purpose of dumping.

C. EXAMINATION BY AUTHORITY

The foregoing submissions made by the exporter and the petitioner, to the extent these are relevant as per Rules and have a bearing upon the case, have been examined, considered and dealt with at appropriate places in these findings.

1. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

The product under consideration is known as Sodium Hydrosulphite (Also referred to as subject goods hereinafter). It is a white or grayish crystalline powder, free from visible foreign particles with pungent odour. It has been imported under Chapter 28 and 29 of Customs Tariff Act. Though the classifications sub-headings 2831.1001 and 2832.1002 suggest description as Sodium Hydrosulphite but correct Custom classification may be treated under 6 digit heading 2831.10 as Sodium Sulphites. The classification is, however indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

The Authority notes that the investigation covers all forms of Sodium Hydrosulphite as product under consideration

2. LIKE ARTICLE

- i) There is no significant difference in Sodium Hydrosulphite produced by the Indian industry and Sodium Hydrosulphite exported from Germany and Korea, which can have an impact on price. Sodium Hydrosulphite produced by the Indian industry and imported from Germany and Korea are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers have used the two interchangeably. Sodium Hydrosulphite produced by the petitioners and imported from Germany and Korea should be treated as like articles in accordance with the anti dumping Rules.
- ii) The technology adopted by the Indian industry is comparable with the technology adopted by the manufacturers of Sodium Hydrosulphite in Germany and Korea.
- iii) The Authority therefore for the purpose of preliminary determination pending final determination holds that the goods produced by the Domestic Industry and those exported from the subject countries are like article within the meaning of the Rules 2(d).

3. DOMESTIC INDUSTRY

- i) The petition has been filed by M/s. Transpeak Silox Industry Ltd., and M/s. Demosha Chemicals Pvt. Ltd., on behalf of the domestic industry. These petitioners companies represent 54.80% of the production of the subject goods under consideration.
- ii) The Authority also notes that the petitioners constitute more than 50% of the total domestic production and therefore have the standing to file the petition on behalf of the domestic industry as per Rule 5 (3) (a) and (b) of the Anti-Dumping Rules and also represent Domestic Industry in terms of Rule 2(b)

4. NORMAL VALUE & EXPORT PRICE

Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:

- i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
- ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
 - (a) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6);

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of

export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

The normal value and ex-factory export price determination is illustrated below.

Germany

M/s. BASF, Germany

A. NORMAL VALUE

The Authority sent questionnaires to all the known exporters for the purpose of determination of normal value in accordance with Section 9 A (1) (C). None of the exporters/producers from Germany except M/s. BASF Aktiengesellschaft, Germany has cooperated and responded in the exporters questionnaire to the initiation notification. The Authority however notes that the exporter has not furnished the details as per the exporters questionnaire regarding factory cost and profit of exports to India, cost and profit of domestic sales and cost and profits of exports to countries other than India as solicited in Appendixes 8,9 & 10 respectively. In Appendix 7 the exporter has stated that there are 8000 other products so their details cannot be given in the multi product company. Subject to rectification of the deficiencies which will be indicated to the exporter in the course of investigation, the Authority has accepted provisionally the claim of the exporter with regard to the Domestic Sales and adjustments claimed therefor for the Preliminary Findings . The adjustments which have been claimed in Appendix 5 are considered and allowed to arrive at ex- factory Normal value.

ii) Based on the above, subject to further clarification and rectification of deficiencies in the course of investigation, the Authority has referenced the Normal Value for M/S BASF, Germany as ****\$/MT for the purpose of preliminary determination pending final determination.

B. EXPORT PRICE

In response to the questionnaire the exporter has furnished details of export made to India during the period of investigation in Appendix 2. The exporter has also furnished the copy of invoices in support of the same. The adjustments which have been claimed in Appendix 4 in regard to inland

freight, storage, handling, insurance, packaging, overseas freight etc. have been considered and allowed to arrive at ex-factory export price to India. The Authority has thus determined the ex-factory export price for M/S BASF Germany as US\$ ****\$/MT of Sodium Hydrosulphite for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Other Exporters/Producers from Germany

Normal Value

- i) The Authority notes that none of the exporters from Germany except M/s. BASF has responded by way of questionnaire response to the initiation notification. The Authority in view of non cooperation, has constructed the normal value for all other producers/exporters on the basis of best available information in accordance with Rule 6 (8) of anti dumping Rules.
- ii) The normal value is therefore referenced as ****\$/MT for Germany for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Export Price

- i) The Authority notes that the export price has been provided by the petitioners on the basis of the data from DGCI&S Kolkata. The petitioners have also claimed adjustments on ocean freight, ocean insurance, commission, inland freight and port expenses to an extent of ****\$/MT, ****\$/MT, ****\$/MT, ****\$/MT, and ****\$/MT respectively for non-cooperative exporters/producers from Germany.
- ii) The ex-factory export price is referenced as ****\$/MT for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Korea

Normal Value

- i) The Authority notes that none of the exporters from Korea has responded by way of questionnaire response to the initiation notification. The Authority in view of non cooperation, has constructed the normal value for all producers/exporters on the basis of best available information in accordance with Rule 6 (8) of anti dumping Rules. Thus the constructed

cost of production with due adjustments has therefore been referenced for the purpose of determination of normal value of the subject goods in Korea.

ii) The normal value is therefore referenced as ****\$/MT for Korea for the purpose of preliminary determination pending final determination.

Export Price

i) The Authority notes that the export price has been provided by the petitioners on the basis of the data from DGCI&S Kolkata. The petitioners have also claimed adjustments on ocean freight, ocean insurance, commission, inland freight and port expenses to an extent of ****\$/MT, ****\$/MT, ****\$/MT, ****\$/MT, and ****\$/MT respectively.

ii) The ex-factory export price is referenced as ****\$/MT for the purpose of preliminary determination pending final determination.

5. DUMPING- Comparision of Normal Value & Export Price

The rules relating to comparison provides as follows:

“While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time. Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability.”

The authority has carried out weighted average normal value comparison with the weighted average ex-factory export price in Period of Investigation, for evaluation of the dumping margin for all the exporter/producers of the subject countries.

The dumping margin for exporter/producers comes as under:

| Exporter/ Producer | Normal value(NV) \$/MT | Export \$/MT | Price(EP) | Dumping margin as % of EP |
|---|------------------------------|-----------------|-----------|---------------------------------|
| (1) Germany (a) M/s BASF, | **** | **** | | 28.95% |
| (b) All other exporters/ Producers | **** | **** | | 69.01% |
| (2) Korea RP All Exporters/Producers | **** | **** | | 102.86% |

CUMULATIVE ASSESSMENT OF INJURY

i) It is observed from the facts available on record that the margins of dumping from each of the subject countries are more than the 2% limit expressed as % of export price. Also the volumes of imports from each of the country are more than *deminimus*. Cumulative assessment of the effects of imports would be appropriate since the exports from the subject countries directly compete with each other and with the goods offered by the domestic industry in the Indian market. The Authority, therefore, proposes to assess injury to the domestic industry from the subject countries cumulatively.

ii) The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limit prescribed above. Cumulative assessment of effect of imports from Germany and Korea RP are appropriate since the export prices from these countries were directly competing with the prices offered by the domestic industry in the Indian market and displacing domestic producers.

iii) As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry the principle (iv) of Annexure-II of the Anti Dumping Rules states:

a) “The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry,

including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilisation of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”

- b) The Authority notes that the non-injurious price has been evaluated for the various domestic producers by appropriately considering the sales realisation from the related products. Also in order to eliminate inefficiencies, the Authority has normated and benchmarked the best practices on utilisation of raw materials, utilities etc..
- c) As regards the injury which could happen on account of higher cost of production in India, the Authority notes that under the Indian Anti Dumping Rules it is the lesser duty rule which is applied.

6. INJURY AND CAUSAL LINK

Under Rule 11 supra, Annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, “....taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....” In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

- i) For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, we may consider such indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilisation, sales quantum, stock, profitability, net sales realisation, the magnitude and margin of dumping, etc. in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.
- ii) The Authority examined the following economic parameters in the case of domestic producers,

Volume and market share of dumped imports

| Particulars | Unit | 1999-00 | | 2000-2001 | | Apr. 01 – Sept. 02 | | Investigation period Annualized | |
|----------------------------|------|---------|--------|-----------|--------|--------------------|--------|---------------------------------|--------|
| | | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value |
| | | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) |
| Imports | | | | | | | | | |
| Germany | MT | 449 | 178 | 30 | 7.2 | 714 | 251.86 | 476 | 168 |
| Korea | MT | 0 | 0 | 144 | 35.17 | 338 | 100.19 | 225 | 67 |
| Subject Countries | MT | 449 | 178 | 174 | 42.37 | 1052 | 352.05 | 701 | 235 |
| Share of subject countries | % | 17.51% | | 10.96% | | 36.26% | | 36.26% | |
| Other Countries | MT | 2115 | 627 | 1413 | 431.63 | 1886 | 536.65 | 1257 | 358 |
| Share of other countries | % | 82.49% | | 89.04% | | 63.80% | | 63.80% | |
| Total imports | MT | 2564 | 805 | 1587 | 474 | 2938 | 888.70 | 1959 | 592 |

i) Based on the information provided by DGCI&S Kolkata and secondary sources, the imports from subject countries have increased significantly both in relative and absolute terms. It is also evident that the imports are increased in relation to production of the domestic industry and share of imports in demand of the product in the country.

ii) There has been a significant increase in imports in a relatively short time and the rate of growth of dumped imports from subject countries is significant. The increase of imports both in absolute terms as well as percentage terms of Sodium Hydrosulphite has led to the loss of sales/contract to the domestic industry.

Production & Capacity Utilisation

| Particulars | Unit | 1999-00 | | 2000-2001 | | Apr. 01 – Sept. 02 | | Investigation period Annualized | |
|----------------------|------|---------|--------|-----------|--------|--------------------|--------|---------------------------------|--------|
| | | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value |
| | | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) |
| Capacity | | | | | | | | | |
| Capacity | MT | 17100 | | 17100 | | 27135 | | 18090 | |
| Production | MT | 15123 | | 14540 | | 21635 | | 14423 | |
| Capacity Utilisation | % | 88.44 | | 85.03 | | 79.73 | | 79.73 | |
| Domestic sales | MT | 14468 | | 13939 | | 20650 | | 13767 | |

- i) The production of Sodium Hydrosulphite by the domestic industry has decreased from 15123 MT in 1999-2000 to 14540 MT in 2000-2001, which has further decreased to 14423 MT during the POI (Annualized). In general production has declined. There has been a consistent decline in the capacity utilisation from 88.44% in 1999-2000 to 85.35% in 2000-2001 and finally 79.73% in POI annualized.
- ii) Sales of the domestic industry showing a consistent decline from 14468 MT in 1999-2000 to 13939 MT in 2000-2001 finally to 13767 MT during the annualized POI. The dumped imports are instrumental for a declining trend both in capacity utilisation as well as in the sales volume of the subject goods respectively, and since the sales volumes is declining, the domestic industry does not want increase the production which will lead to the inventory stock.

Profitability

| Particulars | Unit | 1999-00 | | 2000-2001 | | Apr. 01 – Sept. 02 | | Investigation period Annualized | |
|-------------------------|------|---------|--------|-----------|--------|--------------------|--------|------------------------------------|--------|
| | | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value |
| | | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) |
| Unit cost of production | MT | **** | | **** | | **** | | **** | |
| Trend | % | | 100 | | 98.43 | | 93.91 | | 93.91 |
| Unit selling price | MT | **** | | **** | | **** | | **** | |
| Trend | % | | 100 | | 100.14 | | 100.16 | | 100.16 |
| Unit Profit/Loss | | **** | | **** | | **** | | **** | |

The cost of production of the domestic industry has declined whereas selling price has not showing a decreasing trend. The domestic industry is incurring financial losses but profitability of domestic industries has improved due to the financial restructuring and reducing cost on account of interest of one of the petitioner companies. It is also observed that the domestic industry could not recover the loss even after the subject goods are attracting anti dumping duty on Chinese imports, which is a indication that the recovery of the domestic industry is prevented due to the new source of alleged dumping.

Price undercutting

The Authority notes that the dumping by the subject countries have a significant impact on the net sales realisation by the domestic industry for the subject goods. To hold on its market share the petitioner had to compete with the low price and dumped imports from the subject countries. Thus dumped imports were undercutting the prices of the domestic industry as landed value of imports from the subject countries was below the selling price of the domestic industry.

Price Underselling

The Authority has also examined the claim of domestic industry that the industry is suffering on account of direct losses. The Authority notes that price underselling is an important indicator of assessment of injury thus the Authority has worked out a fair selling price and compared the same to the landed value to arrive at the extent of price underselling.

Price suppression/depression

The selling price of domestic industry is below the cost of production of subject goods and further imports were thus preventing the domestic industry effecting legitimate price increase.

Loss Contracts

The domestic industry is either lossing its consumers or its off take as source of customers are declining due to the availability of dumped imports from subject countries. In this regard domestic industry has supplied the evidence regarding the loss sales due to dumped imports. The sales of M/s. Demosha Chemicals Pvt. Ltd., has decreased from 1193 MT in 1999-2000 to 754 MT in 2001-2002 whereas sales of M/s. Transpek Silok Industry Ltd., Baroda is declined to 212 MT in 2002-2003 (up to Dec. 02) from 695 MT in 2000-2001.

Inventory/Stocks

| Particulars | Unit | 1999-00 | | 2000-2001 | | Apr. 01 – Sept. 02 | | Investigation period Annualized | |
|---------------|------|---------|--------|-----------|--------|--------------------|--------|------------------------------------|--------|
| | | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value |
| | | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) |
| Opening Stock | MT | 1093 | | 849 | | 936 | | 936 | |
| Trend | % | 100 | | 77.68 | | 85.64 | | 85.64 | |
| Closing stock | MT | 849 | | 936 | | 1328 | | 1328 | |
| Trend | % | 100 | | 110.25 | | 156.42 | | 156.42 | |
| Average stock | MT | 971 | | 893 | | 1132 | | 1132 | |
| Trend | % | 100 | | 91.92 | | 116.58 | | 116.58 | |

The Authority notes that the declining sales volume has resulted in increase in stocks inspite of declining in production. The closing stocks have increased from 893 MT in 2000-2001 to 1132 MT in the period of investigation whereas average inventory is showing a growth from 91.92% in 2000-2001 to 116.80% in POI.

Return on Investment and ability to raise capital

The rate of return on investment during POI for the product under consideration is negative due to loss for the domestic industry, as a result of which the domestic industry has not able to raise fresh capital or plan new investment in this product.

7. Causal Link:

In determining whether injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts:

- i) Substantial imports of subject goods from Germany and Korea RP at dumped priced forced the domestic industry to maintain its selling prices to un-remunerative level, which has resulted in a situation of price undercutting in the Indian market.
- ii) The imports from Germany and Korea RP suppressed the prices of the product in the Indian market to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sale of subject goods in India.

| Particulars | Unit | 1999-00 | | 2000-2001 | | Apr. 01 – Sept. 02 | | Investigation period Annualized | |
|------------------------------|------|---------|--------|-----------|--------|--------------------|--------|---------------------------------|--------|
| | | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value | Volume | Value |
| | | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) | MT | (Lacs) |
| Demand | | | | | | | | | |
| Imports | MT | 2564 | | 1587 | | 2938 | | 1959 | |
| Sales of domestic industry | MT | 14468 | | 13939 | | 20650 | | 13767 | |
| Total demand | MT | 27017 | | 28286 | | 42746 | | 28497 | |
| Share in demand | | | | | | | | | |
| Imports from subject country | % | 1.66 | | 0.62 | | 2.50 | | 2.50 | |
| Other country | % | 7.83 | | 5.00 | | 4.41 | | 4.41 | |
| Petitioner | % | 53.55 | | 49.28 | | 48.31 | | 48.31 | |
| Share of Import | | | | | | | | | |
| Share of subject countries | | 17.51 | | 10.96 | | 36.20 | | 36.20 | |
| Other countries | | 82.49 | | 89.04 | | 63.80 | | 63.80 | |

iii) From the above table it is observed that the share of volume of dumped imports in total consumption has increased from 0.62% in 2000-2001 to 2.5% during POI, whereas the market share of domestic industry fell from 53.55% in 1999-2000 to 48.31% during the POI. The dumped imports were coming into India at price that significantly undercut the prices of like domestic product. Thus the prices of dumped imports have caused both price depression and price suppression on the prices of like domestic products.

iv) There is no contraction in demand (demand has rather increased). Further, there is no other factor such as trade restrictive practice or development in technology which could have caused material injury to the domestic industry. Increase in imports in absolute terms as also relative to the production and consumption in India have directly resulted increase in the sales, which further resulting in decline in the share of the domestic industry in the demand of the product in the country. Further, the low prices

of imports have prevented the domestic industry from optimizing their profitability.

The Authority, therefore, notes from the above that the landed value of imports from the subject countries have been at a price below the selling price of the domestic industry. Further, the imports into India have been at a price lower than the non-injurious price for the domestic industry. As a consequence thereof the domestic industry has not been able to earn a reasonable return. These parameters collectively and cumulatively indicate that the petitioner has suffered material injury due to the dumped imports.

8. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

The Authority holds that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

The Authority also recognises that though the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products, however, fair competition in the Indian market will not be reduced by these anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices and would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice of the subject goods to the consumers.

The Authority notes that the imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from Germany and Korea RP in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers. The consumers would still maintain two or more sources of supply.

9. LANDED VALUE

The landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

D. CONCLUSIONS:

The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that :

- a) Sodium Hydrosulphite in all forms originating in or exported from Germany and Korea RP have been exported to India below its normal value.
- b) The domestic industry has also suffered material injury by way of financial loss due to depressed Net Sales Realisation (NSR) on account of price depression caused by low landed prices of the dumped subject goods.
- c) The injury has been caused cumulatively to the domestic industry by dumping of the subject goods originating in or exported from the subject country.
- d) The Authority thus considers necessary to recommend anti-dumping duty on imports of subject goods falling under Chapter 28 originating in or exported from the subject country.
- e) It was considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping so as to remove the injury to the domestic industry accrued on account of dumping. Accordingly the Authority recommends the provisional duty be imposed on all imports of Sodium Hydrosulphite originating in/or exported from Germany and Korea RP. The anti dumping duty shall be the difference between amount mentioned in Col. 3 of the following table and the landed value of imports/MT to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all the imports of Sodium Hydrosulphite falling under Chapter 28, Custom Sub-heading 2831.10 of the Customs tariff originating in or exported from the countries mentioned below:-

| 1 | 2 | 3 |
|---------|-------------------------------------|-----------------------------|
| Sl. No. | Name of the exporter/producer | Amount of duty (US\$/MT) |
| 1. | Germany | |
| | a. M/s. BASF | US\$ 1058.866/MT |
| | b. All other exporters/producers | US\$ 1058.866/MT |
| 2. | Korea RP All producers/exporters | US\$ 1058.866/MT |

E. FURTHER PROCEDURE

The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, Importers, Petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the despatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c. The Authority would conduct verifications to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would provide opportunity to all interested parties for oral submissions, for which the date and time shall be communicated to all known interested parties separately;
- e. The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI, Designated Authority